# वासना की न खत्म होती आग-11

“मैं एक तरफ तो सम्भोग का आनन्द लेना चाह रही थी.. वहीं मेरे मन और मस्तिष्क में दूसरों को सम्भोगरत देखने की भी लालसा भी थी। मेरे जिस्म के साथ पहली बार दो मर्द एक साथ खेल रहे थे। ...”

**Story By:** saarika kanwal (saarika.kanwal)
**Posted:** Saturday, December 24th, 2016
**Categories:** सामूहिक चुदाई
**Online version:** वासना की न खत्म होती आग-11


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# वासना की न खत्म होती आग-11

अब तक आपने पढ़ा..
होटल के कमरे में सम्भोगरत समूह को देख कर मेरी कामोत्तजना चरम पर पहुँच गई थी।
अब आगे..

चुम्बन के दौरान रामावतार जी के दोनों हाथ बबिता के साड़ी के अन्दर थे और वो उनके चूतड़ों को दबा और सहला रहे थे। कुछ पलों के चुम्बन और चूसने की क्रिया के बाद बबिता अलग हुई और अपनी साड़ी उठा कर उसने अपनी पैन्टी उतार दी।

बबिता ने अपनी साड़ी को कमर तक उठाया और अपनी एक टांग को कुर्सी के ऊपर रख कर अपनी योनि खोल दी। बस फिर क्या था.. रामावतार जी ने दोनों हाथों से बबिता की जांघों को पकड़ा और उसकी योनि को चाटने लगे।

इधर जब मैंने नजर घुमाई तो देखा कि शालू विनोद के लिंग के ऊपर उछल रही थी और विनोद उसके स्तनों को दबाते हुए खुद भी अपनी कमर उठा कर शालू के धक्कों का जवाब दे रहा था।

विनोद और शालू को देख कर मेरा तो अब ध्यान बंट सा गया था। मेरा शरीर एक तरफ तो पूरी तरह कामोत्तेजित था.. पर मन उत्तेजना के साथ उत्सुक भी था क्योंकि जो अब तक सिर्फ तारा से सुना था और व्यस्क फिल्मों में देखा था, वो सब कुछ मेरी आँखों के सामने था।

अब तक सामूहिक सम्भोग बस जान-पहचान में सुना था.. पर यहाँ तो मेरे लिए एक को छोड़ सभी अजनबी थे। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं था कि किसी अजनबी से मैंने पहली

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बार सम्भोग किया हो या समूह में पहली बार सम्भोग किया हो.. पर अभी मैं ऐसे माहौल में थी.. जहाँ बस लोग इसलिए मिले थे कि एक-दूसरे के बदन का स्वाद ले सकें। शायद मुझे भी लगने लगा था कि जैसे हर खाने का स्वाद अलग होता है.. वैसे ही अलग-अलग जिस्मों का स्वाद भी अलग होता है।

मैं एक तरफ तो सम्भोग का आनन्द लेना चाह रही थी.. वहीं मेरे मन और मस्तिष्क में दूसरों को सम्भोग रत देखने की भी लालसा भी थी। इधर जो मेरे तन-बदन में खलबली मची थी.. उसके लिए भी मैं बेचैन हुई जा रही थी। मेरे जिस्म के साथ ये पहली बार था कि दो मर्द एक साथ खेल रहे थे।

ये मेरी उत्तेजना को और भी बढ़ा रही थी। पता नहीं मेरे दिमाग में क्या आया.. जैसे कोई बिजली की रफ़्तार से उपाय सा आया और मैं अपने दोस्त को धक्का दे अलग होकर कांतिलाल की तरफ पलट गई और उन पर टूट सी पड़ी।

मैंने उनको धक्का देकर बिस्तर पर गिरा दिया और उनके ऊपर चढ़ बैठी। मैं उनके ऊपर झुक कर उनके होंठों से होंठों को लगा कर चूसने लगी और फिर क्या था वे भी मेरे मांसल चूतड़ों मसलते हुए मेरा साथ होंठों से देने लगे।
मुझे उनका तना हुआ लिंग मेरी योनि के इर्द-गिर्द चुभता सा महसूस हो रहा था। मुझे ऐसा लग रहा था.. जैसे वो मुझे छूते हुए कर अपने अन्दर घुसने के रास्ते की तलाश कर रहा हो।

मेरे दिमाग में तो अब दोहरी नीति शुरू हो गई थी, मैं अब सबको देखना चाहती थी, मैंने अपनी चाल चलनी शुरू कर दी। मैं यह बात तो समझ रही थी कि सभी लोग यहाँ जिस्मों का मजा लेने आए थे.. पर उनके दिमाग में मेरी छवि कुछ और थी.. और मैं वो छवि बरकरार रखना चाहती थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बस ये सारी बातें सोचते हुए मैंने अपने बाएँ हाथ से कांतिलाल जी के लिंग को पकड़ा और अपनी कमर ऊपर उठा कर लिंग को अपनी योनि की छेद पर थोड़ा रगड़ दिया।
बस फिर क्या था.. उनका सुपाड़ा तो पहले से लपलपा रहा था। इधर मेरी योनि बुरी तरह गीली होने के कारण सुपारा चिकनाई से और भी गीला हो गया।
मैंने लिंग को थोड़ा सीधा पकड़ते हुए योनि की छेद के तरफ दिशा दी और अपनी कमर को धीरे-धीरे दबाने लगी।
अगले ही पल उनका सुपारा पूरी तरह मेरी योनि के भीतर समा चुका था।

उनका लिंग पूरी तरह सख्त था.. सो मैंने अपना हाथ हटा उनको दोनों हाथों से जकड़ लिया और अपनी कमर लिंग पर दबाती चली गई। कांतिलाल जी का लिंग अब तक आधा घुसा था.. उन्होंने दोनों हाथों से मेरे चूतड़ों को पूरी ताकत से पकड़ा और नीचे से अपनी कमर जोर से उचका दिया।

उनका कड़क लिंग सटाक से मेरी योनि में घुसता हुआ सीधा मेरे बच्चेदानी में लगा। अगले ही पल मेरे मुँह से ‘उम्म्ह… अहह… हय… याह… ’ की आवाज कराह के साथ निकल पड़ी।

उनका लिंग बहुत ही ज्यादा सख्त था और गरम महसूस हो रहा था। मुझे लगा कि वो जल्दी ही झड़ जाएंगे.. पर मैं उनके साथ पहली बार सम्भोग कर रही थी.. सो कुछ भी अंदाजा लगाना मुश्किल था।

मैं अब सब कुछ भूल कर उनके ऊपर अपनी कमर उचकाने लगी और उनका लिंग मेरी योनि में अन्दर-बाहर होता हुआ मेरी योनि की दीवारों से रगड़ खाने लगा। मैं तो वैसे ही बहुत उत्तेजित थी और उनका भी जोश देख बहुत सुखद आनन्द महसूस कर रही थी। कुछ पलों के धक्कों के बाद कांतिलाल जी ने भी नीचे से पूरा जोर लगाना शुरू कर दिया। हम दोनों की कमर इस प्रकार हिल रही थीं.. जैसे एक-दूसरे से ताल मिला रही हों। इस ताल-

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेल में मुझे सच में बहुत मजा आने लगा था।

हम दोनों का हर पल जोश बढ़ता ही जा रहा था और धक्कों की गति तेजी से बढ़ती ही जा रही थी। हमें धक्के लगाते हुए करीब 10 मिनट होने चले थे और हम एक-दूसरे के होंठों को चूमते, चूसते, चूतड़ों को दबाते मसलते, मजा ले रहे थे। वो मेरा एक दूध चूसते और काटते हुए धक्के लगाए जा रहे थे।

मुझे उनका लिंग और उनका जोश वाकयी बहुत मजा दे रहा था। उनके धक्के कभी-कभी मेरी बच्चेदानी में जोर का चोट देते.. जिससे मैं एक मीठे दर्द के साथ कराह लेती और रुक जाती और फिर धक्के लगाने लगती।

मैं इधर मजे में सिसकते हुए कराह रही थी और वो उधर लम्बी-लम्बी साँसें लेते हुए मेरे जिस्म का मजा ले रहे थे। कुछ मिनट के बाद मेरा पूरा बदन गरम हो कर पसीना छोड़ने लगा और मेरे सर, सीने, जांघों के किनारों से पसीना बहने लगा। मेरी योनि पानी-पानी हो चली थी और पानी रिसने सा लगा था.. जो पसीने से मिलकर उनके लिंग को तर कर रहा था। फिर धक्कों के साथ 'फच.. फच..' की आवाजें आने लगीं।

मैं अब थकान महसूस करने लगी थी, उनके धक्कों के सामने मेरे धक्के ढीले पड़ने लगे। वो भी काफी अनुभवी थे और जब इस तरह का जोश हो.. तो कोई मौका नहीं छोड़ना नहीं चाहता.. सो उन्होंने सटाक से मुझे बिस्तर पर पलट दिया और मेरे ऊपर से उठ गए।

मुझे तो पूर्ण संतुष्टि चाहिए थी तो मैं उनके यूं उठ जाने से एक पल के लिए बहुत ही झुंझका सी गई.. पर उन्होंने तुरंत तकिया लिया और मुझे कुतिया बन जाने का इशारा किया। मैं भी बिना समय गंवाए पलट कर घुटनों के बल झुक गई और अपने चूतड़ों को उठा दिया।
उन्होंने तकिया मेरे पेट के नीचे लगा दिया और मैं तकिए के सहारे झुक कर कुतिया बन

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गई।

वो मेरे पीछे घुटनों के बल खड़े हो गए और उन्होंने अपने लिंग को बिना किसी देरी के मेरी योनि में घुसा दिया। अब वो मेरी कमर पकड़ कर जोर-जोर से धक्के लगाने लगे। इस स्थिति में उनके धक्के काफी तेज़ और जोरदार लग रहे थे क्योंकि उनके पास अपनी कमर घुमाने की पूरी आजादी थी।

मैं तो इतनी जोश में थी कि उनका हर धक्का मुझे और भी ज्यादा मजा दे रहा था।

करीब दस मिनट ऐसे ही धक्के लगाने के बाद तो मुझे अँधेरा सा दिखने लगा.. मेरी साँसें तेज़ होने लगीं.. मैं हाँफने और सिसकारने लगी।
अब मैं झड़ने वाली थी.. तभी कांतिलाल जी मेरे ऊपर झुक गए और चूतड़ों को छोड़ मेरे स्तनों को दबोचते हुए धक्के मारने लगे।

दो मिनट के धक्कों के बाद उन्होंने मेरा एक स्तन छोड़ मेरी कमर पकड़ कर अपनी ओर खींची, मैं उनका इशारा समझ गई कि वे मुझे अपनी कूल्हे उठाने को कह रहे हैं.. ताकि मेरी योनि की और गहराई में उनका लिंग जा सके।

मैंने थोड़ा और उठा दिया और वो धक्के लगाने लगे। मेरी तो जैसे जान निकलने जैसी हो रही थी क्योंकि अब मैं झड़ने वाली थी। बस 2-3 मिनट के धक्कों में ही मैंने कराहते हुए.. लम्बी-लम्बी साँसें छोड़ते हुए अपने बदन को ऐंठते हुए पानी छोड़ना शुरू कर दिया।

मैं झड़ते हुए अपने चूतड़ उनके लिंग की तरफ तब तक उठाती रही.. जब तक कि मैं पूरी तरह झड़ न गई।
जब तक मैं सामान्य स्थिति में आती.. कांतिलाल जी धक्के भी लगाते ही रहे। मैं उसी अवस्था में उनके झड़ने का इंतज़ार करती रही। मेरा पूरा बदन ढीला सा पड़ने लगा था..

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पर उनके धक्कों की रफ़्तार और ताकत में कोई कमी नहीं थी।

करीब 5 मिनट के धक्कों के बाद उनका लिंग मेरी योनि के भीतर और भी गरम लगने लगा। मैं समझ गई कि अब इनका वक्त आ गया। फिर क्या था.. 'उम्म्म उम्म्म्म ओह्ह्ह्ह..' की आवाज करते हुए 8-10 जोरदार धक्कों के साथ उन्होंने मेरी योनि को अपने रस से भर दिया और 1-2 धीमे धक्कों के साथ मेरे ऊपर निढाल होकर हांफने लगे।

कुछ पलों के बाद जब थोड़े शांत हुए तो हम अलग-अलग होकर वहीं बिस्तर पर गिर गए।

फ़िलहाल कहानी को यहीं रोक रही हूँ, आगे की कहानी आपके विचारों को जानने के बाद लिखूंगी।

saarika.kanwal@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

# Other stories you may be interested in

## मेरी अन्तर्वासना हिन्दी सेक्स स्टोरी की फ़ैन की चूत-3

अब तक आपने पढ़ा.. कविता के पति रोहित के सामने मेरी चुदाई पूरी हुई। अब आगे.. रोहित बोला- यार, आप दोनों की चुदाई देख कर मज़ा आ गया। मैंने कहा- अब रात को आप दोनों चुदाई करोगे और मैं देखूंगा। […]
Full Story >>>

## सविता भाभी शिमला में

पुलिस की मदद की और डाकू को गिरफ़्तार करवाया प्रिय पाठको.. आप सभी की मदमस्त सविता भाभी की चित्रकथाओं में से एक कहानी उनके द्वारा अपने शिमला टूर के दौरान एक नाम डाकू को पकड़वाने का किस्सा आपके सामने पेश […]
Full Story >>>

## मुझे ब्लैकमेल करके पूरी रात चूत चुदवाई-2

अब तक आपने पढ़ा.. मेरी मुलाक़ात पूनम नाम की एक पैसे वाली महिला से हुई और उसी से दोस्ती के चक्कर में मुझे उसकी धमकी भी सुननी पड़ी। अब आगे.. मैंने जॉगिंग पर जाना शुरू कर दिया। उस दिन कुछ […]
Full Story >>>

## लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग-41

जब मैं अश्वनी से फ्री हुई तो देखा कि सब अपने अन्तिम पड़ाव में हैं और सभी औरतें लंड से निकलने वाले रस चाटने का मजा ले रही हैं। केवल अभय सर अकेले बैठे हुए थे, मैं उनके पास गई, […]
Full Story >>>

## मेरी अन्तर्वासना हिन्दी सेक्स स्टोरी की फ़ैन की चूत-1

नमस्कार दोस्तो, आप मेरी कहानियाँ को पढ़कर मुझे और कहानियाँ लिखने के लिए उत्साहित कर रहे हो। उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। आपके द्वारा मेरी कहानी पढ़ कर मुझे ईमेल करने से मुझे आप लोगों की राय पता […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

# Other sites in IPE

## Urdu Sex Videos

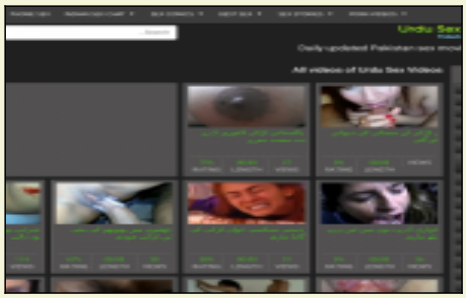

Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

## Suck Sex

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

## FSI Blog

Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

## Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

## Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

## Indian Porn Live

Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.



*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*